पाठ 3. सच्चा हीरा

पाठ का उद्देश्य

माता-पिता बच्चों का जीवन श्रेष्ठ बनाने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर देते हैं। अत: बच्चों को भी माता-पिता के प्रति अपने दायित्वों को समझना चाहिए। प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य बच्चों में अपने माता-पिता तथा बड़े-बुर्जुगों के प्रति आदर, सम्मान एवं सेवा का भाव जाग्रत कराना है।

पाठ का सारांश

शाम का समय था। चार स्त्रियाँ कुएँ पर पानी भरते हुए बातें कर रही थीं। चारों स्त्रियाँ एक-एक करके अपने बेटों को एक-दूसरे के बेटों से श्रेष्ठ, होनहार, विद्वान तथा शक्तिशाली बतलाने लग जाती हैं। किंतु उनमें से राधा नाम की स्त्री चुपचाप ही रहती है। उसे चुपचाप देख तीनों स्त्रियाँ उससे उसके बेटे के बारे में पूछने लगती हैं। राधा द्वारा यह कहने पर कि उसका बेटा उन तीनों के बेटों के समान श्रेष्ठ नहीं है, तीनों स्त्रियाँ उसका मज़ाक उड़ाती हैं। पानी भरकर घर की ओर लौटते समय तीनों स्त्रियों के बेटे उन्हीं के पास से होकर गुज़रते हैं पर उनमें से कोई भी अपनी माँ की सहायता नहीं करता और उन्हें अनदेखा कर आगे बढ़ जाते हैं। उसी रास्ते से राधा का बेटा भी गुज़रता है। वह अपनी माँ के सिर पर से पानी से भरा घड़ा उतारकर अपने सिर पर रखकर घर की ओर चल देता है। तीनों स्त्रियाँ उसे देखती रह जाती हैं। उन स्त्रियों के पीछे-पीछे चल रही एक वृद्धा जिसने उनका वार्तालाप सुना था, उन स्त्रियों से कहती है कि तुम सबके बेटों में से राधा का बेटा ही सच्चा हीरा है क्योंकि उसने अपनी माँ की सेवा-सहायता की।

अध्यापन संकेत

पाठ वाचन से पूर्व पाठ की संक्षिप्त पृष्ठभूमि तैयार करें। बच्चों से उनकी माँ के बारे में तथा घर के अन्य बड़ों के बारे में चर्चा करें। पाठ का स्वयं वाचन करें अथवा एक-एक कर बच्चों से भी पाठ के एक-एक अंश का वाचन करवाएँ।

बच्चों से पूछें तथा समझाएँ–

- ❖ क्या वे घर के कामों में अपनी माँ की सहायता करते हैं? यदि करते हैं तो कैसे तथा कब।
- ❖ क्या वे अपने से बड़ों की आज्ञा का पालन करते हैं?
- ❖ उन्हें समझाएँ कि हमें केवल घर पर ही नहीं अपितु बाहर भी अपने से बड़ों का आदर करना चाहिए तथा आवश्यकता पड़ने पर उनकी सहायता भी करनी चाहिए।
- ❖ बच्चों को मातृ-पितृ भक्त पुत्र श्रवण कुमार के बारे में भी बताएँ।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।